मार्गशीर्ष कृष्ण एकम्, युगाब्द 5122 वि.2077,1 दिसम्बर, 2020

सहयोग राशि ₹ 5

पाक्षिक

पाथेय कण

भीतर पढ़ें

7 पीएफआई का अलकायदा से संबंध

8 अ.भा.कार्यकारी मंडल बैठक

13 आत्मनिर्भर भारत अभियान

15 कोरोना महामारी, शिशिर ऋतु एवं आहार

लव जिहाद अब बर्दाश्त नहीं

कानून बनाये सरकार

स्वच्छ उदयपुर स्वस्थ उदयपुर सुन्दर उदयपुर

नगर निगम, उदयपुर (राज.)

नागरिकों से विनम्र अपील

- निगम की स्वीकृति अनुसार अपना भवन बनाएं।
- बहुमंजिला इमारतों में पार्किंग की समुचित व्यवस्था रखें एवं पार्किंग में किसी प्रकार का निर्माण न करें।
- झीलों के ईद-गिर्द निर्मित भवनों की स्वीकृति हेतु निगम में आवेदन करें।
- नगर निगम की सम्पत्ति पर अतिक्रमण ना करें, न करने दें।
- हैरिटेज लुक देते हुए अपने भवन का निर्माण करें।
- निगम के हरे-भरे उद्यानों एवं डिवाइडरों को साफ सुथरा रखें।
- शहर के विभिन्न चौराहों एवं मुख्य मार्गों पर अवैध हॉर्डिंग न लगाएं।
- झीलों के अन्दर एवं आसपास गन्दगी ना करें।
- प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग ना करें।
- सड़कों पर कचरा न फेंके।
- अपने पालतू पशुओं को सड़कों पर खुला ना छोड़े।
- कचरा सड़क व नालियों में ना डालें, निगम द्वारा रखे कन्टेनरों में ही डालें।
- जन्म-मृत्यु का पंजीकरण 21 दिवस के अन्दर-अन्दर कराएं।
- निगम को देय समस्त शुल्कों, करों का भुगतान समय पर करें।
- विवाह पंजीयन अवश्य करायें।

नागरिकों से विनम्र अपील

- कम्प्यूटरीकृत आदर्श प्रणाली पर कार्य।
- जन्म-मृत्यु पंजीयन का कम्प्यूटरीकरण।
- जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए हेल्प लाईन सेन्टर (हेल्पलाईन नं. 2426262)

मुख्य मेले - दशहरा-दीपावली मेला/ हरियाली अमावस्या मेला/ सुखिया सोमवार मेला

भावी योजनाएं

- ''स्वच्छ भारत मिशन'' के तहत घर-घर कचरा संग्रहण कार्य।
- ठोस कचरा निस्तारण के लिए शहर से दूर अत्याधुनिक प्रबन्धन केन्द्र।
- वेबसाईट को अप टू डेट किया जाना।
- गुलाब बाग में आधुनिक ट्रेन संचालन।
- गुलाब बाग में अप्पूघर निर्माण।

नगर निगम आपका ही है, अतः पूर्ण सहयोग करें।

पारस सिंघवी
उप महापौर

आयुक्त

गोविन्द सिंह टांक
महापौर

एवं समस्त पार्षदगण

।। ॐ संभूत्या अमृतमश्नुते ।।
संगठन से ही अमरत्व की प्राप्ति होती है।।

मातृभूमि की धर्मध्वजा का अभिनंदन वंदन।
राष्ट्र देवता के चरणों में पावन शब्द नमन।।

पाक्षिक
पाथेय कण

मार्गशीर्ष कृ.एकम्,
युगाब्द 5122, वि.2077
1 दिसम्बर,2020
वर्ष 36 : अंक 13

सम्पादक
रामस्वरूप अग्रवाल

सह सम्पादक
मनोज गर्ग

प्रबंध सम्पादक
माणकचन्द

सह प्रबंध सम्पादक
ओमप्रकाश

अक्षर संयोजन
कौशल रावत

सहयोग राशि
[illegible] ₹ 1[illegible]0/-
पन[illegible] ₹1[illegible]00/-

प्रबंधकीय कार्यालय
'पाथेय भवन' 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र,
अग्रसेन मार्ग, मालवीय नगर,
जयपुर-302017 (राज.)
सम्पर्क : 7976582011,
9414447123, 9929722111

Website : www.patheykan.in
E-mail : patheykan@gmail.com
Twitter : @patheykan1

युग परिवर्तन की आहट

क्या युग परिवर्तन की शुरुआत हो चुकी है? सर्वधर्म समभाव तथा सर्वसमावेशी हिन्दुत्व के विचार को दरकिनार कर पाश्चात्य सोच पर आधारित सेक्युलरिज्म पर इतना जोर दिया गया कि नीति, कार्यक्रम तथा व्यवहार में से मिट्टी की महक और अपनेपन का अहसास ही खत्म होने लगा था। लगता ही नहीं था कि यह देश राम-कृष्ण का है, यह देश बुद्ध, महावीर और नानक का है, यह देश वेद-उपनिषदों का है, आध्यात्मिक ऊर्जा का देश है, यह देश 52 शक्तिपीठ और द्वादश ज्योतिर्लिंग वाला है, यह देश 'कृण्वन्तो विश्वमार्यम्' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की सोच वाला है। सब विस्मृत कर दिया गया। याद रखा तो बस अभारतीय विचार सेक्युलरिज्म। कुछ भी तो अपना सा नहीं ।

अंग्रेजों से विरासत में खण्डित भारत मिला था। उसकी भी सीमाएं सुरक्षित नहीं रख पाए। यही नहीं, युद्ध में जीती हुई भूमि तक लौटा दी गई। इस उदारता को क्या कहेंगे? परन्तु लगता है, अब युग करवट ले रहा है। सुरक्षित, समृद्ध, आध्यात्मिक, राम-कृष्ण के भारत, विश्वगुरु भारत की आहट फिर से सुनायी देने लगी है। सीमाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। शत्रु को उसके घर में घुस कर मारने का साहस आ गया है।

स्वाभिमानी और स्वावलम्बी भारत की बात होने लगी है। विश्व में भारत आदर के

निर्माण शुरू हो गया है। अब तक उपेक्षित और तिरस्कृत अयोध्या फिर से धर्म नगरी के रूप में सज-संवर रही है। मीडिया में मतांतरण और लव जिहाद जैसे समाज घातक विषयों पर खुल कर चर्चा हो रही है। कई राज्य सरकारें इन पर कानून द्वारा रोक लगा रही हैं। जम्मू और कश्मीर मुख्यधारा में शामिल हो रहा है।

95 वर्ष पूर्व समाज को संगठित करने और इस देश के मूल विचार 'हिन्दुत्व' के जागरण का जो यज्ञ प्रारंभ हुआ था- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में -जिसमें हजारों-हजारों कार्यकर्ताओं ने अपने जीवन की आहुति दी, वह अब फलीभूत होने का आभास दे रहा है। वर्तमान समय 'हिन्दुत्व' के विचार को सार्वजनिक रूप से स्वीकार किये जाने का है। लेकिन, देश को अपने मूल स्वभाव से भटकाने वाली प्रतिगामी ताकतें अभी भी बनी हुई हैं।

ऐसे माहौल में देश के सर्वाधिक पाठक संख्या वाले पाक्षिक 'पाथेय कण' की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। 35 वर्षों की यात्रा के दौरान पाथेय कण को सजाने-संवारने में पूर्ववर्ती दोनों सम्माननीय संपादकों का अमूल्य योगदान रहा है। बदलते युग की आवश्यकता के अनुरूप पाथेय कण को भी क्या नया कलेवर धारण करना होगा? पाथेय कण अपनी भूमिका के साथ न्याय कर सके- इसके लिए आप सब की शुभेच्छा और सहयोग की आवश्यकता है। सेवा विशेषांक तथा सभी सामान्य अंकों पर भी आप की टिप्पणी व सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी। ■

ज्ञान गंगा

अतिपरिचयादवज्ञा भवति विशिष्टेऽपि वस्तुनि प्रायः।
लोकः प्रयागवासी कूपस्नानं सदाचरति।।

बहुत परिचय या मेलजोल होने से विशेष वस्तु के प्रति भी अनादरभाव (उपेक्षा) पैदा हो जाता है। जैसे प्रयाग के रहने वाले लोग त्रिवेणी में स्नान नहीं करते, प्रत्युत कुएँ पर ही नहाते हैं।

(चाणक्यराजनीति शास्त्र/575)

लव जिहाद अब बर्दाश्त नहीं – कानून बनाये सरकार

पिछले कुछ समय से देश में लव जिहाद के इतने मामले आये हैं कि इनको रोकने के लिए कानून बनाने की मांग उठने लगी है। मुस्लिम युवक द्वारा बहुधा हिन्दू नाम से किसी गैर मुस्लिम युवती को प्रेमजाल में फंसाकर विवाह करना तथा विवाह के पश्चात् उसका जबरन धर्मांतरण कर मुसलमान बनाना– यह लव जिहाद का सामान्य रूप है। लड़की जब मुस्लिम बनने से इन्कार करती है तो उस पर अमानवीय अत्याचार किये जाते हैं, उसका बलात्कार किया जाता है। अनेक बार वह विवश होकर आत्महत्या कर लेती है। लव जिहाद में फंसी लड़कियों को इराक व अन्य मुस्लिम देशों में भेजने या उन्हें आतंकी घटनाओं में शामिल होने के लिए विवश करने के समाचार भी आते रहते हैं।

यद्यपि मीडिया अब लव जिहाद से जुड़े समाचारों को देने लगा है। टी.वी. चैनल पर बहस होने लगी है। लोग भी आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं।

परन्तु, देश में तथाकथित बुद्धिजीवी, वामपंथी तथा सेक्युलरिज्म का चश्मा लगाए अनेक पत्रकार ऐसी घटनाओं पर खामोश रहते हैं। इन घटनाओं को हिन्दू–मुस्लिम नजरिए से नहीं देखने का तर्क देते हैं। लेकिन जब जुल्म की शिकार कोई मुस्लिम लड़की होती है तो यह समूह सक्रिय होकर हिन्दू और हिंदुस्तान को बदनाम करने का कोई मौका नहीं छोड़ता। कठुआ में मासूम के साथ हुई बर्बरता में इनका यहीं रुख था।

विश्व हिन्दू परिषद ने लव जिहाद की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए केन्द्र व राज्य सरकारों से लव जिहाद रोकने हेतु सशक्त कानून बनाने की मांग की है। विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने पिछले दिनों जयपुर में कहा कि लव जिहाद का मुद्दा गंभीर हो गया है। हरियाणा के बल्लभगढ़ में एक छात्रा के अपहरण का प्रयास किया गया और विरोध करने पर गोली मार दी। उन्होंने आगे कहा कि अब तक झूठ बोलकर व धमकी देकर लव जिहाद की घटनाएँ होती आई हैं, लेकिन अब वे मारने भी लगे हैं।

परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल के अनुसार जिहादियों के जाल में

फंसने के बाद इन लड़कियों का न केवल धर्मान्तरण होता है, वरन अनेक बार उनसे वेश्यावृत्ति करवाने या उन्हें बेच देने तथा जबरन यौन शोषण की घटनाएं आम बात हो गयी हैं।

विनोद बंसल के अनुसार लव जिहाद की फंडिंग के समाचार सामने आ रहे हैं। पीएफआई, सिमी, आईएसआई जैसी संस्थाएं इनके पीछे हैं। वे एक उदाहरण देते हैं कि कहीं भी मामला बढ़ने पर बड़े वकील तुरन्त आरोपियों की पैरवी के लिए खड़े हो जाते हैं जो लाखों रुपये फीस के रूप में लेते हैं। केरल की हादिया का उच्चतम न्यायालय में एक बड़े वकील द्वारा बड़ी फीस लेने का समाचार सबके सामने है। यह कष्ट का विषय है कि वोट बैंक या अन्य निहित स्वार्थों के कारण भारत में सेक्युलर बिरादरी हिन्दुओं और देश की चिंता किये बिना इन जिहादियों का खुला समर्थन करती है।

गौरतलब है कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश की राज्य सरकारों ने लव जिहाद को रोकने हेतु कानून बनाने की घोषणा की है। मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने 17 नवम्बर को कहा, अगले विधानसभा सत्र में लव जिहाद से जुड़ा विधेयक लाया जायेगा। इस मामले में गैर जमानती धाराओं के अन्तर्गत मामला दर्ज किया जाएगा और 5 साल के कठोर कारावास की सजा का प्रावधान होगा।

आक्रोशित हिन्दू संगठन

अपनी पहचान छिपाकर लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाने और बाद में धर्म बदल कर निकाह का दबाव बनाने के बढ़ते मामलों से आक्रोशित विभिन्न हिन्दू संगठनों ने गत 11 नवम्बर, 2020 को राजस्थान के उदयपुर में कलैक्टर को मुख्यमंत्री के

वि.हि.प. की जयपुर बैठक (मध्य में कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार)

नाम ज्ञापन दिया। हिन्दू जागरण मंच के प्रांत महामंत्री रविकांत के अनुसार ऐसी घटनाओं पर हिन्दू समाज में व्यापक रोष है। सरकार को इस संबंध में कार्यवाही करनी चाहिए।

मीडिया में लव जिहाद के मामले

विश्व हिन्दू परिषद ने अपनी विज्ञप्ति में मीडिया द्वारा रिपोर्ट किये गये 170 मामलों की सूची जारी की है, उनमें से कुछ मामले नीचे दिए जा रहे हैं –

दिनांक	स्थान	राज्य	घटना का विवरण	न्यूज लिंक
8 नवम्बर 2016	लखीमपुर खीरी	उत्तर प्रदेश	हिंदू बनकर युवती को प्रेम जाल में फंसाया	https://www.patrika.com/mau-news/love-jihad-case-in-mau-1446415/
21 जनवरी 2017	बुलन्द-शहर	उत्तर प्रदेश	फिर आया 'लव जिहाद' का मामलाः नाम बदल कर करता रहा गंदा काम, अब युवती हुई गर्भवती	https://hinduexistence.org/2017/01/21/inshallah-and-azadi-effect-two-afghan- muslims-raped-a-hindu-girl-student-of-jnu/
23 अगस्त 2017	कुशीनगर	उत्तर प्रदेश	लव जिहाद! पहले झूठ बोलकर की शादी फिर प्रताड़ना की हद पा कर दी, ब्लेड से काटने लगा शरीर	https://www.patrika.com/kushinagar-news/love-jihad-allegation-in-kushinagar- hindi-news-1-1742864/
7 सितम्बर 2017	अलीगढ़	उत्तर प्रदेश	एक एक कर 11 लड़कियों को विश्वास दिलाया कि प्यार माँ बाप से बड़ा होता है, फिर उन सबको बेच दिया कोठों पर	http://www.sudarshannews.com/category/national/the-most-radical-face-of- islamic-love-jihad--5769
18 नवम्बर 2017	मुम्बई	महाराष्ट्र	मुम्बई की पूर्व मॉडल ने पति पर लगाया लव जिहाद का आरोप	https://navbharattimes.indiatimes.com/metro/mumbai/crime/a-former-model-in- mumbai-alleges-that-her-muslim-husband-forced-her-to-follow-his- religion/articleshow/61698224.cms
27 मई 2019	सीकर	राज स्थान	लव जिहादः तीन बच्चों के पिता इमरान ने कबीर शर्मा बनकर हिंदू लड़की से रचाई शादी, ऐसे खुली पोल	https://hindi.news18.com/news/rajasthan/sikar-muslim- youth-father-of-three-children-married-hindu-girl-being- kabir-sharma-in-rajasthan-love-jihad-hydap-2058943.html
20 नवम्बर 2019	भिलाई	छत्तीस गढ	लव-जिहादः मोहम्मद रियाज ने सोनू बनकर की शादी, भेद खुलने पर दिया तीन-तलाक, 15 लाख लेकर फरार-लड़के का भेद तब खुला जब साल भर बाद लड़की ने बच्चे को जन्म दिया।	https://hindi.opindia.com/national/love-jihad-muslim-hindu-chhattisgarh-bhilai- news/
15 फरवरी 2020	बस्ती	उत्तर प्रदेश	धर्म छिपाकर की शादी, निजी मकान पर ले गया तो पत्नी को पता चला राज।	https://zeenews.india.com/hindi/india/up-uttarakhand/a-muslim-man-married-a- hindu-woman-hide-his-religion-in-uttar-pradesh-basti-love-ji-had/641216

लव-जिहाद के कतिपय अन्य मामले

26 अक्तूबर, 2020 : हरियाणा के बल्लभगढ़ की निकिता तोमर पर उसका एक सहपाठी तौसीफ दबाव डाल रहा था कि वह मुस्लिम धर्म स्वीकार कर उससे निकाह कर ले। निकिता ने ऐसा करने से मना कर दिया, तो तौसीफ ने गोली मार कर निकिता की हत्या कर दी।

7 अक्तूबर, 2020: दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र राहुल की हत्या कर दी गई, क्योंकि एक मुस्लिम लड़की से उसकी दोस्ती थी।

फरवरी 2018 : दिल्ली के एक मुस्लिम परिवार द्वारा अंकित सक्सेना की हत्या कर दी गई, क्योंकि अंकित की दोस्ती उस परिवार की लड़की के साथ थी।

मार्च 2020 : लखनऊ के अलीगंज की एक हिन्दू युवती की फेसबुक पर प्रयागराज के सौरभ यादव से मुलाकात हुई। दोनों मिलने लगे और उनकी दोस्ती प्रेम में बदल गई। सौरभ शादी का झांसा देकर उस लड़की का यौन शोषण करता रहा। बाद में उसने शादी से इंकार कर दिया तो लड़की प्रयागराज स्थित उसके घर गई। वहां उसे पता चला कि जिसे वह सौरभ समझ रही थी, उसका असली नाम मोबिन खान है।

सितम्बर 2020 : बेंगलुरु के फतेह खान ने आर्यन मल्होत्रा बन कर कानपुर के नौबस्ता थाना क्षेत्र की एक 15 वर्षीया छात्रा के साथ जान-पहचान बढ़ाई तथा विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात् लड़की पर मुसलमान बनने के लिए दबाव बनाने लगा। परिजनों द्वारा पुलिस में शिकायत की गई।

मई 2019 : मेरठ के ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र के एक व्यापारी की बेटी का अपहरण हुआ। पुलिस द्वारा लड़की को बरामद करने पर उसने बयान दिया कि उसे हथियार के बल पर एक मुस्लिम युवक द्वारा अगवा किया गया था। वह उसे देवबंद ले गया, जहां उसको मुसलमान बनाकर उसका निकाह कराया गया। पुलिस ने तीन आरोपियों आमिर, साबेज और सुहेब को गिरफ्तार किया।

जबरन धर्म परिवर्तन कराने का मामला

न्यायालय ने पुलिस को दिया जांच का आदेश

मेम चंद को बना दिया मोहम्मद अनस

अलवर जिले के गांव भयाड़ी के मेम चंद तथा उसकी पत्नी-बच्चों का जबरन धर्म परिवर्तन कराकर मुसलमान बनाने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। अलवर के एससीएसटी न्यायालय ने जिला पुलिस को एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच के आदेश दिये हैं।

मेम चंद (उम्र 28 वर्ष) पुत्र काडू जाटव ने बताया कि उसकी रिश्तेदारी हरियाणा के जिला नूंह की तहसील फिरोजपुर झिरका के गांव इब्राहिम का बास में है। इस कारण इब्राहिम का बास के कुछ लोगों से उसके दोस्ताना संबंध भी बन गये थे। इब्राहिम का बास के सत्तार पुत्र श्योदान, तैयब पुत्र आमीन, रत्ती खां पुत्र जुहरू खां, रजिया पत्नी मुबीन, सरूना पत्नी वहीद आदि कुछ लोगों ने उसे अपने गांव बुलाया था। वहां उन लोगों ने कहा कि यदि वह हिन्दू धर्म त्यागकर मुसलमान बन जाता है तो वे उसे रहने के लिए जमीन बिना मूल्य देंगे। धर्म परिवर्तन से मना करने पर इन लोगों ने उसकी पत्नी तथा बच्चों को बंधक बना लिया तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी, जिससे वह भयभीत हो गया था और उनके कहे अनुसार 29 जनवरी 2018 को अपना धर्म बदल कर अपना नाम मोहम्मद अनस रख लिया। उन लोगों ने धर्म परिवर्तन के संबंध में उससे एक घोषणा पत्र भी स्टाम्प पत्र पर बनवाया, जिसे वकील खलील अहमद, नोटरी द्वारा तस्दीक किया गया।

मोहम्मद अनस बन गये मेम चंद ने न्यायालय में प्रस्तुत अपने इस्तगासा (शिकायत) में लिखा है कि वे लोग उसे जबरन जमात में ले गये तथा उसका खतना करवाया। उसे मुस्लिम धर्म व मान्यताओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर की मस्जिदों तक ले गये। इन लोगों ने उसे धमकी दी कि यदि भागने की कोशिश की या किसी को कुछ बताया तो उसके परिवार को मार देंगे। ये लोग उसकी पत्नी के साथ संबंध बनाने के लिए भी दबाव बनाते।

मेम चंद ने बताया कि उसे हज उम्रा के लिए भेजा गया। इसके बाद तबलीग वालों ने सोचा कि यह अब पक्का मुसलमान बन चुका है, अतः उन्होंने उस पर निगरानी बंद कर दी थी। इसके कारण वह 15 अक्तूबर को अपने बीबी-बच्चों के साथ इब्राहिम का बास से भागकर आ गया और जबरन कबूल कराए गए मुस्लिम धर्म को त्याग चुका है। वह अब आरोपियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई चाहता है। उसने इस संबंध में बड़ौदामेव थाने में रिपोर्ट दी थी परन्तु पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इस मामले में पीड़ित मेम चंद की ओर से प्रस्तुत किये गये इस्तगासा पर अलवर के एससी/एसटी कोर्ट के विशिष्ट न्यायाधीश श्री बृजेश शर्मा ने जिला पुलिस को एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई के आदेश दिये हैं।

तथ्य

18-11-2020

1. गैंगस्टर की सम्पत्ति कुर्क

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के दाहिने हाथ रहे गैंगस्टर इकबाल मिर्ची की मुम्बई स्थित लगभग 500 करोड़ की सम्पत्ति को ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने कुर्क किया।

2. बर्फीले क्षेत्र में जवानों की चिंता

पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के चलते हाड़ जमा देने वाले दुर्गम बर्फीले क्षेत्रों में तैनात जवानों के लिए सभी सुविधाओं से युक्त विशेष शेल्टर एवं गर्म टैंटों की व्यवस्था की गई है। सर्दियों में वहां का तापमान माइनस 30 से माइनस 40 डिग्री तक रहता है।

3. भारत बना सुपर कम्प्यूटर में अग्रणी

भारत के सुपर कम्प्यूटर 'परम सिद्धि' को दुनियां के टॉप-500 सुपर कम्प्यूटर की सूची में 63 वां स्थान मिला है। भारत के अन्य सुपर कम्प्यूटर 'प्रत्यूष' को 78 वां तथा 'मिहिर' को 146 वां स्थान दिया गया। इसी के साथ सुपर कम्प्यूटर क्षमता वाले देशों में भारत की रैंक 17 वीं हो गई है।

वक्तव्य

14-11-2020

जवाब होगा प्रचण्ड

आज दुनिया जान रही है, समझ रही है कि यह देश (भारत) अपने हितों से किसी भी कीमत पर रत्ती भर भी समझौता करने वाला नहीं है। आज का भारत समझने और समझाने की नीति पर विश्वास करता है लेकिन अगर हमें आजमाने की कोशिश होती है तो, जवाब भी उतना ही प्रचंड मिलता है।

-प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

(दीपावली पर जवानों को सम्बोधित करते हुए)

चौंका देने वाला समाचार

पीएफआई का अलकायदा से संबंध सामने आया

पीएफआई के तसलीम रहमानी, ई.एम. अब्दुल तथा प्रोफे. पी. कोया आईएचएच के पदाधिकारियों से वार्ता करते हुए (चित्र साभार–नॉर्डिक मॉनिटर)

भारत में कार्यरत पीएफआई (PFI–पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंण्डिया) जिस पर दिल्ली व उत्तर प्रदेश सहित अनेक स्थानों पर मुस्लमानों को भड़का कर दंगे करवाने का आरोप है, का संबंध आतंकवादी संगठन अलकायदा से जुड़े तुर्की के एक जिहादी समूह आईएचएच (IHH) से होने का समाचार सामने आया है। आईएचएच तुर्की की वह संस्था है जिस पर सीरिया में अलकायदा को हथियार सप्लाई करने सहित अनेक आतंकी गतिविधियों का आरोप लग चुका है।

भारत की पीएफआई और तुर्की की आईएचएच के बीच संबंध होने का स्तब्ध कर देने वाला यह समाचार यूरोप के एक शोध समूह– 'नॉर्डिक मॉनिटर' द्वारा गत नवम्बर माह में दिया गया।

इस समूह ने अक्तूबर 2018 में इन दोनों संगठनों के बीच तुर्की की राजधानी इस्ताम्बुल में हुई एक मीटिंग के चित्र भी प्रसारित किये हैं जिनमें आईएचएच के महासचिव डुर्मु अयदन तथा उपाध्यक्ष हासेइन ओरूअस के साथ भारत के पीएफआई के सदस्य प्रोफेसर पी. कोया, ई.एम. अब्दुल तथा तसलीम रहमानी बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं।

तसलीम रहमानी पीएफआई के राजनीतिक मंच एसडीपीआई (SDPI) के राष्ट्रीय सचिव हैं और बहुत बार टी.वी. चैनल्स पर मुसलमानों का पक्ष रखने के लिए बुलाये जाते हैं। पीएफआई–आईएचएच के मध्य संबंध उजागर होने के बाद भी क्या भारतीय टी.वी.चैनल रहमानी को बुलायेंगे?

आईएचएच तुर्की की सत्ताधारी पार्टी एकेपी (AKP) की एक भुजा के रूप में कार्य करता है जिसका सीधा संबंध तुर्की के गुप्तचर विभाग से भी है। इन सबके पीछे तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोगन हैं जो अपने को दुनियाभर के मुसलमानों का नेता समझते हैं और उसी प्रकार से व्यवहार करते हैं।

पाथेय कण के पाठक जानते होंगे कि जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हटाने पर मात्र एक तुर्की ही ऐसा देश था जिसने पाकिस्तान का समर्थन करते हुए यह धारा हटाने का विरोध भी किया था। ■

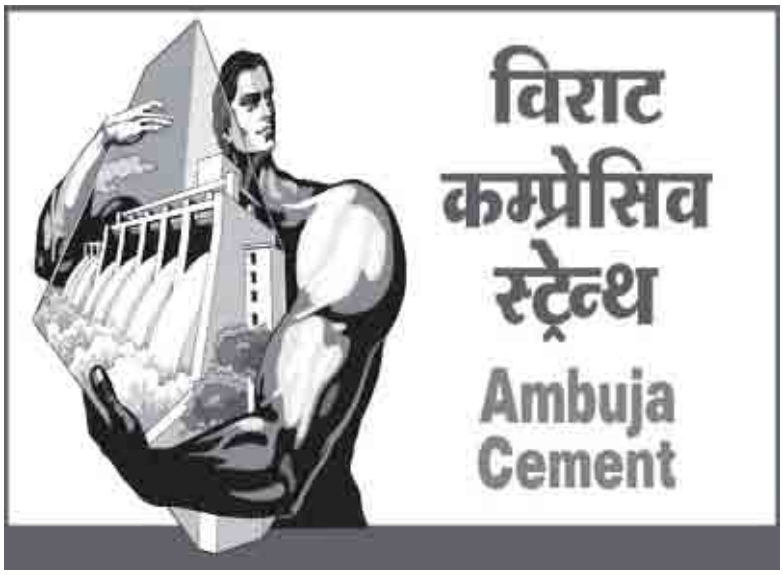

om Hospital
Where we serve your belief
Specialities :
- Anesthesiology
- General Medicine
- General Surgery
- Laparoscopic Surgery
- Obstetrics and Gynecology
- Pediatrics
- Pediatrics & Neonatology
- Physiotherapy

8-9, Near BSNL Godown,
Main Sojat Road, Naya Gaon,
Pali, Rajasthan - 306401

संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक

सेवा-स्वावलम्बन तथा पर्यावरण पर विचार विमर्श

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की राजस्थान क्षेत्र की बैठक गत 8 व 9 नवम्बर 2020 को जयपुर में अम्बाबाड़ी स्थित स्वस्तिक भवन में हुई। प्रतिवर्ष दीपावली पर संघ के कार्यकारी मंडल की अखिल भारतीय बैठक होती है, जिसमें देशभर से लगभग 400 कार्यकर्ता अपेक्षित रहते हैं। परन्तु इस बार कोरोना के कारण बैठक का आयोजन एक ही स्थान पर करने के बजाय अलग-अलग स्थानों पर क्षेत्रशः हो रहा है।

राजस्थान क्षेत्र की इस बैठक में 30-35 कार्यकर्ता कोरोना संबंधी दिशा निर्देशों का पालन करते हुए उपस्थित थे। बैठक का प्रारंभ रविवार 8 नवम्बर सुबह 9 बजे भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

बैठक में कोरोना काल में हुए सेवा

कार्यों की समीक्षा, आगामी दिनों में सेवा, स्वावलम्बन व परामर्श कार्यों की दिशा तथा शाखाओं के मैदान में लगने की प्रक्रिया आदि विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत, सरकार्यवाह श्री भैय्याजी जोशी तथा चार सहकार्यवाह भी उपस्थित रहे। बैठक में पर्यावरण एव परिवार प्रबोधन की गतिविधियों एवं प्रयोगों पर भी बातचीत हुई। संघ के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र के तीनों प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह व प्रांत प्रचारक बैठक में उपस्थित थे। स्वस्तिक भवन में गौमय दीपकों, सेवा भारती द्वारा बनाई गई स्वदेशी दीपावली-झालरों तथा पर्यावरण गतिविधि वाली रसोई बगिया की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

भागवत जी ने किया सेवा-विशेषांक का विमोचन

गत 9 नवम्बर को पाथेय कण के सेवा-विशेषांक का विमोचन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह श्री भैय्याजी जोशी ने किया।

विमोचन जयपुर के अम्बाबाड़ी स्थित स्वस्तिक भवन में हो रही अ.भा.कार्यकारी मंडल की बैठक के दौरान किया गया।

यह विशेषांक राजस्थान क्षेत्र में कोरोना काल के समय समाज के वंचित, अभावग्रस्त लोगों, श्रम साधकों तथा प्रत्येक वर्ग के लिए किये गये सेवा कार्यों को लेकर प्रकाशित किया गया है। सेवा-विशेषांक में सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के सेवा कार्यों को समाहित किया गया है।

विमोचन कार्यक्रम में पाथेय कण के नव नियुक्त संपादक रामस्वरूप अग्रवाल ने बताया कि इस विशेषांक में सेवा कार्यों से संबंधित लगभग 100 चित्र दिये गये हैं तथा सेवा कार्यों के दौरान हुए संस्मरण व प्रेरक प्रंसगों को समेटे 60 अनुकरणीय गाथाएं भी दी गई हैं। जहां मुख्यतः राजस्थान क्षेत्र में हुए विभिन्न सेवा कार्यों को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है, वहीं देश के 11 अन्य राज्यों की भी प्रेरक घटनाओं तथा विशिष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया है।

विमोचन कार्यक्रम में क्षेत्र संघचालक डा. रमेश अग्रवाल तथा प्रबंध सम्पादक माणकचंद भी उपस्थित थे।

चित्र में बांये से क्रमश :- पाथेय कण सम्पादक रामस्वरूप अग्रवाल, राजस्थान क्षेत्र के संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल, संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत, सरकार्यवाहक श्री सुरेश भैय्या जी एवं पाथेय कण के प्रबन्ध सम्पादक माणकचन्द

(फोटो- राजेश कुमावत)

दत्तोपंत ठेंगड़ी जन्मशती समापन समारोह

श्रमिकीकरण के पक्षधर थे दत्तोपंत ठेंगड़ी – श्रीकांत

गत 10 नवम्बर को भारतीय मजदूर संघ की जयपुर इकाई द्वारा दत्तोपंत ठेंगड़ी जन्मशती समारोह का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम स्थानीय अम्बाबाड़ी में स्थित आदर्श विद्या मंदिर के सभागार में रखा गया था। कार्यक्रम में संघ की अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण टोली के सदस्य श्री श्रीकांत ने मुख्यवक्ता के रूप में बोलते हुए कहा कि दत्तोपंत जी का व्यक्तित्व विशाल और प्रेरक था। वे अच्छे संगठक थे तथा हर कार्य योजनाबद्ध तरीके से करते थे।

ठेंगड़ी जी सम्पर्क में आये हर एक व्यक्ति को जोड़कर रखते थे तथा हर विषय का बारीकी से अध्ययन करते थे। बड़ों से लेकर बच्चों के बीच भी वे प्रभावी उद्बोधन देने में निपुण थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय मजदूर संघ की कमान संभालने के बाद उन्होंने वेतन, उत्पादन, सम्पत्ति के विभाजन की नई और भौतिक परिभाषाएँ दीं। उन्होंने कभी भी मशीनीकरण और औद्योगिकरण के वर्तमान स्वरूप का समर्थन नहीं किया।

वे कहते थे कि उद्योगों का श्रमिकीकरण होना चाहिए। जब पूरी दुनिया में नारा गूंजता था कि 'मजदूरों एक हो जाओ' उस समय उन्होंने नारा दिया, 'मजदूरों दुनिया को एक करो'। हमें उनके जीवन को पढ़कर समझना चाहिये और जीवन में उतारना चाहिये। भारतीय मजदूर संघ के उत्तर–पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री रास बिहारी शर्मा तथा विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कैलाश शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर टाइम्स के प्रधान सम्पादक श्री गोपाल शर्मा ने की।

ज्ञात हो कि राष्ट्र ऋषि दत्तोपंत ठेंगड़ी की प्रेरणा से ही भारतीय मजदूर संघ की स्थापना हुई थी। आपकी प्रेरणा से ही स्वदेशी जागरण मंच व किसान संघ की भी स्थापना हुई थी। 10 नवम्बर 2019 से 2020 तक देशभर में ठेंगड़ी जी जन्मशती वर्ष के अन्तर्गत अनेकानेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह समापन कार्यक्रम भी उसी शृंखला के अन्तर्गत था।

स्वदेशी जागरण मंच की प्रान्तीय बैठक सम्पन्न

स्वदेशी व स्वरोजगार का आह्वान

गत 10 नवम्बर को स्वदेशी जागरण मंच, जयपुर प्रांत की कार्यकर्ता बैठक स्थानीय राजापार्क स्थित आदर्श विद्या मंदिर में सम्पन्न हुई।

कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये जागरण मंच में राष्ट्रीय संगठक श्री कश्मीरी लाल ने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार से भारत आत्मनिर्भर और स्वावलम्बी बनेगा। आज के इस भयावह दौर में हमें स्वदेशी को प्रोत्साहित करने के लिए स्वरोजगार की नई सोच विकसित करनी होगी।

जैविक खेती पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से समाज के सामने जो दुष्परिणाम आए, उन के कारण ही आज अनेक बीमारियां उत्पन्न हुई हैं, ऐसे में हमें जैविक खेती को बढ़ाना होगा, जिससे हम स्वस्थ रह सकें। उन्होंने यह भी कहा कि देश में जो परिस्थितियां बनी हैं, उनका मुकाबला स्वदेशी और स्वरोजगार से ही किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रदेश भर के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

महान गणितज्ञ : श्रीनिवास रामानुजन्

श्रीनिवास रामानुजन् को आधुनिक काल के महानतम गणित विचारकों में गिना जाता है। इन्होंने अपनी प्रतिभा और लगन से न केवल गणित के क्षेत्र में अद्‌भुत आविष्कार किये वरन् भारत को अतुलनीय गौरव भी प्रदान किया।

ये बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। इन्होंने खुद से गणित सीखी और अपने सम्पूर्ण जीवन में गणित के 3,884 प्रमेयों का संकलन किया। इनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किये जा चुके हैं। इन्होंने गणित के सहज ज्ञान और बीज गणित प्रकलन की अद्वितीय प्रतिभा के बल पर बहुत से मौलिक और अपारम्परिक परिणाम निकाले जिनसे प्रेरित शोध आज तक हो रहे हैं। इनके कार्य से प्रभावित गणित के क्षेत्र में हो रहे काम के लिये 'रामनुजन् जर्नल' की स्थापना की गई है।

राजमानुजन् का जन्म 22 दिसम्बर 1887 को कोयंबटूर के ईरोड गांव के पारंपरिक परिवार में हुआ था। इनकी माता का नाम कोमलताम्मल और इनके पिता का नाम श्रीनिवास अय्यंगर था। इन्होंने स्कूल के समय में ही कॉलेज स्तर के गणित को पढ़ लिया था। हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद इन्हें गणित और अंग्रेजी में अच्छे अंक लाने के कारण 'सुब्रमण्यम' छात्रवृत्ति मिली और आगे कॉलेज की शिक्षा के लिए प्रवेश भी मिला।

रामानुजन् का गणित के प्रति प्रेम इतना बढ़ गया कि वे दूसरे विषयों पर ध्यान ही नहीं देते थे। यहां तक कि वे इतिहास एवं जीव विज्ञान की कक्षाओं में भी गणित के प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि ग्यारहवीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित को छोड़कर बाकी सभी विषयों में फेल हो गये, परिणामस्वरूप उनको छात्रवृत्ति मिलनी बंद हो गई। एक तो घर की आर्थिक स्थिति खराब, ऊपर से छात्रवृत्ति भी नहीं मिल रही थी। रामानुजन् के लिए यह बड़ा ही कठिन समय था। घर की स्थिति सुधारने के लिए इन्होंने गणित के कुछ ट्यूशन तथा खाते-बही का काम भी किया।

श्रीनिवास रामानुजन्

कुछ साल बाद 1907 में रामानुजन् ने फिर से बारहवीं कक्षा की प्राइवेट परीक्षा दी परन्तु अनुत्तीर्ण हो गये।

वर्ष 1908 में इनके माता-पिता ने इनका विवाह जानकी नामक कन्या से कर दिया। विवाह हो जाने के बाद अब इनके लिए सब कुछ भूल कर गणित में डूबना संभव नहीं था। अतः वे नौकरी की तलाश में मद्रास आए। बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण न होने की वजह से इन्हें नौकरी नहीं मिली। उनका स्वास्थ्य भी बुरी तरह गिरने लगा। डॉक्टर की सलाह पर इन्हें वापस अपने घर कुंभकोणम लौटना पड़ा। बीमारी से ठीक होने के बाद वे वापस मद्रास आये और अपने एक परिचित के कहने पर वहां के डिप्टी कलेक्टर वी. रामास्वामी अय्यर से मिले। अय्यर गणित के अच्छे विद्वान थे। उन्होंने रामानुजन् की प्रतिभा को पहचाना और इनके लिये 25 रुपये मासिक छात्रवृत्ति का प्रबंध किया। यहीं पर काम करते हुए उनका प्रथम शोधपत्र प्रकाशित हुआ। यह शोध पत्र 'जर्नल ऑफ इंडियन मैथेमेटिकल सोसाइटी' में प्रकाशित हुआ। कुछ समय बाद उन्हें मद्रास बन्दरगाह पर क्लर्क की नौकरी मिल गई। वहाँ भी वे गणित के सूत्रों में ही खोये रहते थे। जब यह पत्र कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में गणित के विख्यात प्रो. हार्डी को मिला तो उन्होंने रामानुजन् को कैम्ब्रिज आने का न्यौता दिया।

कैम्ब्रिज आने पर प्रो. हार्डी ने देखा कि रामनुजन् में प्रतिभा तो बहुत है, परन्तु विधिवत शिक्षण न होने के कारण वे कई प्राथमिक बातें नहीं जानते थे। अतः उन्होंने रामानुजन् को कैम्ब्रिज में प्रवेश दिला दिया। यहीं से रामानुजन् ने बी.एससी. उत्तीर्ण की। आगे चलकर उन्हें इसी विश्वविद्यालय से फैलोशिप मिली। यह पाने वाले वे पहले भारतीय थे। 1928 में वे रॉयल सोसायटी के सदस्य बने। यह सम्मान पाने वाले वे दूसरे भारतीय थे।

इंग्लैण्ड के मौसम और खानपान के कारण रामानुजन् का स्वास्थ्य लगातार बिगड़ रहा था। अतः उन्हें वापस भारत लौटना पड़ा। भारत आने पर इन्हें मद्रास विश्वविद्यालय में प्राध्यापक की नौकरी मिल गई। रामानुजन् अध्यापन और शोध कार्य में पुनः रम गये। इनका गिरता स्वास्थ्य सबके लिए चिंता का विषय बन गया। एक वर्ष बाद 32 वर्ष की अल्पायु में 26 अप्रैल 1920 को चेन्नई में उनका देहांत हो गया। इनका असमय निधन गणित जगत के लिए अपूरणीय क्षति था। पूरे देश में जिसने भी रामानुजन् की मृत्यु का समाचार सुना स्तब्ध रह गया।

रामानुजन् और इनके द्वारा किये गये अधिकांश कार्य आज भी वैज्ञानिकों के लिए अबूझ पहेली बने हुए हैं। एक बहुत ही सामान्य परिवार में जन्म ले कर पूरे विश्व को आश्चर्यचकित करने की अपनी इस यात्रा में इन्होंने भारत को अपूर्व गौरव प्रदान किया। 1936 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए प्रो.हार्डी ने रामानुजन् को एक ऐसा योद्धा बताया, जो साधनों के अभाव में भी पूरे यूरोप की बौद्धिक शक्ति से लोहा लेने में सक्षम था। ■

इनसे भी कुछ सीखें

परिवर्तन के पुरोधा

सपनों का शहर मुंबई, जहां जिन्दगी लोकल ट्रेन की तरह दौड़ती नजर आती है। किन्तु सपने पूरा करने के लिए आगे बढ़ने की इस होड़ में कुछ युवा ऐसे भी थे, जिन्होंने पीछे छूट गए लोगों का हाथ थामकर उन्हें आगे बढ़ाया। 'पढ़ाई के बाद बस कमाई' के इस मिथक को तोड़ा 'स्वामी विवेकानंद सेवा मंडल' के युवाओं ने। जी हां, हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के डोंबिवली शहर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे कुछ ऐसे छात्रों की, जिन्होंने जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद करने के लिए एक छोटी सी लाइब्रेरी से इस कार्य की शुरुआत की।

मण्डल के युवाओं ने सप्ताह में दो दिन शनिवार व रविवार को डोंबिवली महानगरपालिका के राजकीय विद्यालयों में जाकर बच्चों को विज्ञान एवं गणित पढ़ाना प्रारंभ किया। धीरे-धीरे इस कार्य से मंडल की लोकप्रियता बढ़ती गई और अनेक युवा मण्डल से जुड़ने लगे। मंडल ने ठाणे जिले के शाहपुरा तालुका में बसे वनवासी गांव विही को गोद लेकर लगातार वहां शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वावलम्बन के क्षेत्र में काम प्रारंभ किया। विही गांव आज से 20 वर्ष पूर्व महाराष्ट्र के सबसे पिछड़े गांवों में से एक था। यहां इन युवाओं ने निरंतर मेडिकल कैंप लगाकर स्वास्थ्य का स्तर सुधारा व गांव वालों के सहयोग से वर्षा के पानी के संचय की शुरुआत कर तीन डेम भी बनाए। उन्होंने किसानों को जैविक खेती का प्रशिक्षण देकर उनकी आय बढ़ाने में भी मदद की।

वनवासी महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हो सकें इसलिए 'स्वयं सहायता ग्रुप' बनाकर उन्हें भी रोजगार से जोड़ा। महाराष्ट्र में दिवाली पर लगाए जाने वाले परंपरागत उबटन बनाने का काम सीखकर इन्होंने गत् वर्ष 50 हजार पैकेट डोंबिवली क्षेत्र में बेचे। कच्चे माल की खरीदारी से लेकर पैकेजिंग का कार्य महिलाओं ने स्वयं ही किया। मण्डल ने तो केवल उन्हें बाजार उपलब्ध कराया। आज मण्डल के सहयोग से पढ़-लिखकर कई युवा देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों में अपनी सेवायें दे रहे हैं। ये सफल युवा अन्य विद्यार्थियों की सफलता का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं।

भाजपा सांसद विनय सहस्त्रबुद्धे जब मंडल का कार्य देखने विही गांव पहुंचे तो उनके कार्यों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इस गांव को गोद लेकर सांसद निधि से सहयोग करके गांव का कायाकल्प किया। ■

जन्म शताब्दी वर्ष (१९२०-२०२०) पर विशेष

छोटे से छोटे कार्यकर्ता का भी आदर

श्री दत्तोपंत जी ठेंगड़ी जन्म शताब्दी वर्ष (1920-2020) के अन्तर्गत दिये जा रहे प्रसंगों की शृंखला में इस बार भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता श्री प्रभाकर शंकर रनले जी का ठेंगड़ी जी के साथ हुये प्रेरणादायी वार्तालाप को दिया जा रहा है।

पुणे के पाषाण मोहल्ले में मा. दत्तोपंत ठेंगड़ी जी के रहने की व्यवस्था की गई थी। मुझे उनकी व्यवस्था में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मिलने के लिए अनेक प्रतिष्ठित, गणमान्य व्यक्ति आते रहते थे।

एक स्वतंत्र कमरे में इन प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ बैठकर बातचीत-चर्चा आदि होती थी। बातचीत समाप्त होने पर प्रतिष्ठित व्यक्ति दिल्ली की ओर प्रस्थान करने हेतु बाहर की ओर आते। उस समय स्वयं ठेंगड़ी जी मेरा पूरा परिचय-श्री प्रभाकर शंकर रनले जी अपने स्वयंसेवक हैं और भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता हैं, उनको करा देते थे। ऐसा मेरा परिचय करा देने में इन्होंने कभी भूल नहीं की। उस समय मेरी आँखों से आँसू निकल आते थे। लगता था कि मैं तो छोटा कार्यकर्ता हूँ, मुझे ठेंगड़ी जी इतना महत्व क्यों दे रहे हैं। उनकी यह सादगी और कार्यकर्ता के प्रति उनके मन में जो आत्मीयता तथा अपनत्व का भाव रहता था उसी के कारण मेरे मन में वे बहुत उच्च श्रेणी के श्रद्धेय महापुरुष हैं, ऐसे भाव जग जाते थे।

एक और प्रसंग याद आता है। मा. ठेंगड़ी जी पूना के दीनदयाल अस्पताल में स्वास्थ्य लाभ करने हेतु आये थे। उनकी व्यवस्था में उस समय मैं भी वहाँ था। औषधि का प्रभाव समाप्त होता था तब वे जग जाते। ऐसे ही एक रात जगने के बाद उन्होंने मुझ से पीने के लिए पानी माँगा। मैंने पानी दिया और उन्होंने पी लिया। इतने में सामने की दीवार पर लगी घड़ी में उन्होंने देखा और मुझसे कहा कि प्रभाकर तू अब तक यहाँ क्यों रुका है, घर क्यों नहीं गया? घर में सब लोग चिंता करते होंगे कि तू अब तक घर क्यों नहीं पहुँचा? उनके ये प्रश्न सुनकर मेरी आँखों से अश्रुधारा बहने लगी। उस आवेग पर मैं काबू नहीं कर पाया।

इतनी अस्वस्थता होने पर भी दूसरों के हितों की चिंता करने वाला यह व्यक्ति कितना श्रेष्ठ पुरुष है! इसी भाव ने उन्हें सदैव कार्यकर्ताओं से जोड़े रखा है।

(समाप्त)

भारत-भक्ति की अलख जगाने वाले- तामिल रुकबो

पूर्वोत्तर भारत का सुदूर अरुणाचल प्रदेश चीन से लगा होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। पहले उसे नेफा कहा जाता था। वहाँ हजारों वर्ष से रह रही जनजातियाँ सूर्य और चन्द्रमा की पूजा करती हैं, पर वे उनके मंदिर नहीं बनाती थीं। इस कारण पूजा का कोई व्यवस्थित स्वरूप भी नहीं था।

इसी का लाभ उठाकर ईसाई मिशनरियों ने उन्हें हिन्दुओं से अलग करने का षड्यंत्र रचा। उन्होंने निर्धनता, अशिक्षा एवं अंधविश्वास का लाभ उठा कर तथा लालच देकर हजारों लोगों को ईसाई बनाया।

अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट जिले में 1 दिसम्बर, 1968 को जन्मे श्री तामिल रुकबो ने शीघ्र ही इस खतरे को पहचान लिया। वे जानते थे कि ईसाइयत के विस्तार का अर्थ देशविरोधी तत्वों का विस्तार है। इसलिए उन्होंने आह्वान किया कि हमें अपने परम्परागत त्यौहारों को मिलकर मनाना होगा।

उन्होंने विदेशी षड्यंत्रकारियों द्वारा जनजातीय आस्था पर हो रहे कुठाराघात को रोकने के लिए पूजा की एक नई पद्धति विकसित की। उनके इन प्रयासों का अच्छा परिणाम निकला और राज्य सरकार ने स्थानीय त्यौहार 'सोलुंग' को सरकारी गजट में मान्यता देकर उस दिन का सरकारी अवकाश घोषित किया।

श्री रुकबो ने 1976 में सरकारी नौकरी छोड़कर पूरा समय समाज-सेवा के लिए समर्पित कर दिया। सर्वप्रथम उन्होंने कालबाह्य हो चुके रीति-रिवाजों को समयानुकूल बनाया। इसके लिये उन्होंने अंग्रेजी तथा अपनी जनजातीय भाषा में अनेक पुस्तकें भी लिखीं।

तामिल रुकबो

उन्होंने पीढ़ी-दर-पीढ़ी परम्परा से चले आ रहे लोकगीतों तथा कथाओं को संकलित कर उन्हें लोकप्रिय बनाया। इससे पाश्चात्य गीतों से प्रभावित हो रही युवा पीढ़ी फिर से अपनी परम्परा की ओर लौटने लगी है।

विश्व भर के जनजातीय समाजों में पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, नदी-तालाब अर्थात् प्रकृति पूजा और दोनी-पोलो (सूर्य और चन्द्रमा) का बड़ा महत्व है। श्री रुकबो ने 'दोनी-पोलो येलाम केबांग' नामक संगठन की स्थापना कर जनजाति बन्धुओं को जागरूक किया।

उन्होंने सैकड़ों गांवों में सामूहिक प्रार्थना मंदिर बनवाये तथा साप्ताहिक पूजा पद्धति प्रचलित की। श्री रुकबो के प्रयासों से युवा पीढ़ी फिर से स्वधर्म से जुड़ने लगी।

इससे उत्साहित होकर और भी लोग इस कार्य में पूरा समय लगाने लगे। यह अभियान क्रमशः विदेशी व विधर्मी तत्वों के विरुद्ध एक सशक्त आन्दोलन बन गया। सामाजिक समरसता और संगठन भाव को लेकर आगे बढ़ रहे श्री रुकबो जब 'वनवासी कल्याण आश्रम' तथा 'विश्व हिन्दू परिषद' के सम्पर्क में आये तो उनके कार्य को देश भर के लोगों ने जाना और उन्हें सम्मानित किया।

भारत के सीमान्त प्रदेश में भारत भक्ति और स्वधर्म रक्षा की अलख जगाने वाले तथा जनजातीय समाज की सेवा और सुधार हेतु अपना जीवन समर्पित करने वाले श्री तामिल रुकबो का 30 दिसम्बर, 2001 को देहान्त हो गया।

जन्म दिवस पर शत-शत नमन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक, भारत रत्न
पं.मदन मोहन मालवीय
25 दिसम्बर

(1961-1943)

वनवासी कल्याण आश्रम के संस्थापक
बाला साहब देशपाण्डे
26 दिसम्बर

(1913-1915)

आधुनिक युग के महान तपस्वी एवं समाज सेवी
महर्षि रमण
31 दिसम्बर

(1879-1950)

श्रमिक हितों को समर्पित
रमण भाई शाह
31 दिसम्बर

(1926-2007)

चार लाख गांवों में राम उत्सव की योजना

विश्व हिन्दू परिषद ने भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण को लेकर गांव-गांव तक जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए परिषद जनवरी-फरवरी माह में एक विशेष अभियान चलायेगी। इस अभियान के अन्तर्गत विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता देश के चार लाख गांवों में 'राम उत्सव' मनाकर 11 करोड़ परिवारों को विश्व हिन्दू परिषद से जोड़ेंगे।

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष श्री आलोक कुमार ने जयपुर प्रवास के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि श्रीराम जन्म भूमि आन्दोलन अयोध्या में एक बड़ा मंदिर बनाने तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि यह राम उत्सव का मामला है। इस समय देश में सामाजिक समरसता की बहुत आवश्यकता है। देश में इस समरसता को मजबूत करने के लिए ऊंच-नीच के भेद-भाव की दीवारों को तोड़ कर एक समाज बने, इसके लिए विश्व हिन्दू परिषद काम कर रही है।

गाय के गोबर से बनेगी
रसोई घर के लिए गैस

गत 2 से 11 नवम्बर गुड़ामालानी में दस दिवसीय बायोगैस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण 'गौ सेवा गतिविधि' एवं 'मारवाड़ गौ ग्राम संवर्धन न्यास', जोधपुर प्रांत के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। स्थानीय 10 कारीगरों को बायोगैस बनाने का प्रशिक्षण महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय, उदयपुर के श्री किशन लाल ने दिया।

बायोगैस के निर्माण से एलपीजी सिलेण्डर के लिए परिवार के लोगों को घर से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यह गोबर गैस एलपीजी गैस से सस्ती होगी। इससे जो खाद बनेगी वह खेतों के लिए उपयोगी होगी। इस खाद से खेती को कम पानी की जरूरत होगी तथा खेतों में लगने वाली दीमक से भी किसान भाइयों को हमेशा-हमेशा के लिए निजात मिलेगी। गाय के गोबर से जो गैस प्राप्त होगी वह शुद्ध एवं सात्विक होगी।

आत्मनिर्भर भारत अभियान की शुरुआत

कोरोना काल में आर्थिक तंगी से जूझ रहे समाज को सहयोग करने के लिए विश्व हिन्दू परिषद ने 'आत्मनिर्भर भारत' की शुरुआत की है। इस अभियान का उद्देश्य सेवा-बस्तियों में युवा एवं महिला शक्ति को स्वरोजगार के साथ स्वाभिमान से जीने के लिए प्रेरित करना है। गत 9 नवम्बर को विश्व हिन्दू परिषद के क्षेत्रीय कार्यालय 'भारत माता मंदिर' में आयोजित राजस्थान प्रांत की बैठक में विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री आलोक कुमार ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि हमें समाज में आर्थिक और शैक्षणिक स्तरों को उन्नत बनाने के लिए मसीहा बनकर नहीं, मित्र व सहयोगी बनकर जाना है। समाज में स्वरोजगार और स्वाभिमान का जागरण करना ही आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य है।

ज्ञात हो कि वर्तमान में जयपुर महानगर में 5 सेवा-बस्तियों में यह अभियान चल रहा है। इसके साथ ही विश्व हिन्दू परिषद ने अभी तक अपने 44 प्रांतों में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत युवाओं को केन्द्र सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के अंतर्गत ऋण उपलब्ध करवाया है।

उत्तर संस्कृति प्रश्नोत्तरी- 1. महारानी मन्दोदरी 2. योगेश्वर श्रीकृष्ण 3. दक्षिण पूर्व एशिया 4. शृंगेरी 5. महाकवि कालीदास 6. नेताजी पालकर 7.108 8.वासुदेव बलवंत फड़के 9.नागौर दुर्ग 10. 28 वर्ष बाद

सेवा विशेषांक प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

पूनम सिंह परमार

जिला मंत्री, भाजपा पाली,
पार्षद नगर पालिका, सुमेरपुर

निवास : वार्ड संख्या 16 पावर हाउस के सामने,
सुमेरपुर (जिला-पाली)

देने का आनंद

एक बार एक शिक्षक अपने शिष्य के साथ टहलने निकले। उन्होंने देखा कि रास्ते में पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते उतरे पड़े हैं जो सम्भवतः पास के खेत में काम कर रहे गरीब मजदूर के थे जो अब अपना काम समाप्त कर घर वापस जाने की तैयारी कर रहा था।

शिष्य को मजाक सूझा। उसने शिक्षक से कहा, 'गुरुजी, क्यों न हम ये जूते कहीं छिपाकर झाड़ियों के पीछे छिप जायें। जब वह मजदूर इन्हें यहाँ नहीं पाकर घबरायेगा तो बड़ा मजा आयेगा!'

शिक्षक गम्भीरता से बोले, 'किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है। क्यों न हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिपकर देखें कि इसका मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता हैं!'

मजदूर जल्द ही अपना काम पूरा कर जूतों की जगह पर आ गया। उसने जैसे ही एक पैर जूते में डाला, उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ। उसने जल्दी से जूते हाथ में लिया तो देखा कि अन्दर कुछ सिक्के पड़े थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ। वह सिक्के हाथ में लेकर बड़े गौर से उन्हें पलट–पलट कर देखने लगा।

फिर उसने इधर–उधर देखा। दूर–दूर तक कोई नजर नहीं आया तो उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिये। अब उसने दूसरा जूता उठाया। उसमें भी सिक्के पड़े थे। मजदूर भावविभोर हो गया। उसकी आँखों में आँसू आ गये। उसने हाथ जोड़कर ऊपर देखते हुए कहा– 'हे भगवान्, समय पर प्राप्त इस सहायता के लिये लाख–लाख धन्यवाद, इस सहायता और दयालुता के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को रोटी मिल सकेगी।'

मजदूर की बातें सुन शिष्य की आँखे भर आयीं।

शिष्य बोला, 'आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे मैं जीवन–भर नहीं भूलूँगा। आज मैं समझ पाया कि लेने की अपेक्षा देना कहीं अधिक आनन्ददायी है।

बाल प्रश्नोत्तरी

बाल मित्रों! यह प्रश्नोत्तरी पाथेय कण के 16 अक्तूबर के अंक पर आधारित है। उक्त अंक को आप पढ़ेंगे तो नीचे दिये गये सभी प्रश्नों के उत्तर बड़ी सरलता से दे सकेंगे।

1. अंग्रेजों ने जब भारत छोड़ा उस समय देश में लगभग कितनी देशी रियासतें थीं?
(क) 600 (ख) 500 (ग) 345 (घ) 475

2. किनके भागीरथ प्रयत्नों से देशी रियासतों का एकीकरण संभव हो पाया?
(क) महात्मा गांधी (ख) सरदार पटेल (ग) जवाहर लाल नेहरू (घ) प्रेमनाथ डोगरा

3. कश्मीर के महाराजा हरिसिंह ने किनके कहने पर भारत में विलय के लिए अपनी स्वीकृति दी?
(क) बद्रीनाथ (ख) सरदार पटेल (ग) श्री गुरुजी (घ) जवाहर लाल नेहरू

4. प्रजा–परिषद का जनसंघ में कब विलय हुआ?
(क) 1972 (ख) 1953 (ग) 1960 (घ) 1963

5. भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन कब हुआ?
(क) 23 जून 1953 (ख) 20 जून 1953 (ग) 23 जून 1960 (घ) 23 जून 1957

6. कोरोना काल के सेवा कार्यों के लिए किस गैर सरकारी संगठन को 'इंडिया टुडे' ने पुरस्कृत किया है?
(क) राष्ट्रीय सेवा भारती (ख) प्रज्ञा भारती (ग) प्राकृतिक भारती (घ) लघु उद्योग भारती

7. देश में आपात काल की घोषणा कब हुई?
(क) 25 जून 1960 (ख) 25 जून 1965 (ग) 25 जनू 1975 (घ) 25 जून 1970

8. वरिष्ठ प्रचारक सोहन सिंह जी का जन्म उत्तर प्रदेश के किस जिले में हुआ था?
(क) बागपत (ख) बुलन्द शहर (ग) गाजियाबाद (घ) मेरठ

9. सोहन सिंह जी ने राजस्थान में प्रांत प्रचारक के रूप में लगभग कितने वर्ष कार्य किया?
(क)5 वर्ष (ख) 10 वर्ष (ग) 8 वर्ष (घ) 7 वर्ष

10. सोहन सिंह जी की प्रेरणा से प्रारंभ होने वाली जागरण पत्रिका का नाम क्या है?

(उत्तर इसी अंक में हैं)

पहचानो तो यह महापुरुष कौन है ?

बाल मित्रों! यहाँ एक महापुरुष का चित्र तथा उनके जीवन के बारे में कुछ संकेत दिये जा रहे हैं। संकेत के आधार पर चित्र को पहचानो और अपने ज्ञान की परीक्षा करो।

- हिन्दी साहित्य जगत में खड़ी बोली के प्रथम कवि।
- साहित्य जगत में आप दद्दा के नाम से जाने जाते थे।
- आपकी प्रसिद्ध रचना 'भारत–भारती' स्वतंत्रता संग्राम के समय काफी चर्चित रही।

(उत्तर इसी अंक में है)

कोरोना महामारी, शिशिर ऋतु एवं आहार

वर्तमान वैश्विक कोरोना महामारी से सम्पूर्ण विश्व त्रस्त है। कोरोना से बचाव के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होनी चाहिए। किसी व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं इच्छाशक्ति अनेक कारणों पर निर्भर करती है यथा– आनुवांशिकता, नियमित व्यायाम, आहार, विहार इत्यादि। आहार इनमें से अत्यन्त महत्वपूर्ण कारण है। कहा गया है – **आहार संभवं वस्तु रोगश्चाहार संभव:।** हमारा शरीर आहार से ही बना है एवं रोग भी आहार से ही उत्पन्न होते हैं।

क्या खायें ? – स्वादानुसार मधुर, अम्ल, लवण कटु, तिक्त एवं कषाय छ: प्रकार के रस माने गये हैं। सभी रसों से युक्त आहार का सेवन किया जाना श्रेष्ठ है। किसी एक ही रस का अधिक सेवन किया जाना निकृष्ट होता है : **एक रसाभ्यासो अवरं।** हरा, पीला,लाल, केसरिया, सफेद इत्यादि विभिन्न रंगों से युक्त दूध, दही, फल, सब्जियाँ आदि का सेवन करना चाहिये। प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन्स, वसा, मिनरल्स एवं जल, ये सभी घटक तो हमारे भोजन में यथावश्यक मात्रा में होने ही चाहिये। भिन्न भिन्न प्रकार की सुगन्धों से युक्त मसाले यथा –हींग, जीरा, धनिया, सौंफ, अजवाइन, लहसुन, हल्दी, दाना मेथी, दालचीनी, इलाइची, सौंठ, कालीमिर्च, तेजपत्ता, जावित्री, जायफल इत्यादि का भी यथावश्यक रूप से प्रयोग होना चाहिये। ये सभी मसाले पाचक तो होते ही हैं, औषधीय गुणों से भी भरपूर होते हैं।

सर्दी के मौसम में विशेष गुणकारी भोजन :– सर्दी का मौसम आते ही गुड़ और मक्खन डली हुई बाजरे की खिचडी, मक्का एवं बाजरे की रोटी, बथुआ, पालक, सरसों इत्यादि की हरी पत्तेदार सब्जियाँ, गरम मसाला युक्त पालक/बथुआ की कढ़ी, गाजर का हलुवा, मूंग की दाल का हलुवा, दाल के पकौडे, मेथी के लड्डू, गौंद के लड्डू, हल्दी की सब्जी इत्यादि का सभी को स्मरण हो आता है। परम्परागत तौर पर इन सभी का सेवन प्रत्येक घर में किया जाता है। इन सब में ध्यान रखने वाली बात यह है कि हम जहाँ भी घी, दूध एवं दही का उपोग करें, वह गाय का हो तो अच्छा है क्योंकि कहा गया है कि **बिना गोरसानाम् को रसो भोजनानाम्।** देशी गुड़ का उपयोग करना चाहिये। इन सब का आनन्द लेने का अधिकार उसी व्यक्ति को है जो नित्य शारीरिक श्रम करते हैं। जो लोग मधुमेह अथवा हृदय रोगों से पीडित हैं उन्हें मीठे से परहेज करना चाहिये तथा अधिक चिकनाई युक्त आहार नहीं लेना चाहिये।

हमें प्रतिदिन रसायन सेवन भी करना चाहिये। आँवला श्रेष्ठ रसायन होता है। इसकी चटनी, स्वरस, सब्जी, आचार, किसी भी रूप में सेवन किया जा सकता है। च्यवनप्राश आँवले का श्रेष्ठ उत्पाद है। इसके अतिरिक्त मेथी के लड्डू, गौंद के लड्डू, अश्वगंधा के लड्डू का सेवन करना चाहिये। महिलाओं को अजवायन के लड्डू, बेरजडी के लड्डू इत्यादि का सेवन करना चाहिये। उक्त सभी प्रकार के लड्डुओं में विभिन्न प्रकार के सूखे मेवे एवं जड़ी बूटियों का मिश्रण किये जाने का प्रचलन है। नियमित सूर्यनमस्कार, योग इत्यादि व्यायाम, अभ्यंग (मालिश), प्राणायाम, ध्यान करते हुए पौष्टिक भोजन एवं रसायन सेवन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि तो होती ही है, शरीर बलिष्ठ एवं स्वस्थ बना रहता है।

■ **वैद्य श्रीराम तिवाड़ी,** आयुर्वेदाचार्य

जांचें कि आप कितने ज्ञानवान हैं?

नीचे दिए गए 10 प्रश्नों के उत्तर बताइये। अपना ज्ञान स्तर निम्नानुसार मानें –
सामान्य–यदि 5 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
श्रेष्ठ– यदि 8 प्रश्नों के सही उत्तर देते हैं।
उत्तम – यदि सभी उत्तर सही देते हैं।

1. रावण–पुत्र मेघनाद की माता कौन थी?
2. युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में अग्रपूजा किनकी की गई थी?
3. महर्षि अगस्त्य का सम्मान भारत से भी अधिक कहाँ किया जाता है?
4. तुंगभद्रा नदी के किनारे पर किस नगर में चार में से एक शंकरमठ(पीठ) है?
5. भारत के किस महाकवि को पूरे विश्व का अब तक का सर्वश्रेष्ठ कवि माना जाता है?
6. शिवाजी के एक सहयोगी मुसलमान (कुली खां) बन गये थे। बाद में उनका शुद्धिकरण किसने करवाया?
7. सिंधु घाटी से प्राप्त एक शिला–लेख में सूर्य और पृथ्वी के व्यासों (डायमीटर) का अनुपात कितना बताया गया है?
8. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद महाराष्ट्र में भारत की आजादी के लिए सशस्त्र संघर्ष किसने प्रारम्भ किया?
9. पश्चिमी राजस्थान का कौन सा दुर्ग महाभारत काल का माना जाता है?
10. अयोध्या में विवादित ढांचा (6दिसम्बर 1992) के मामलों में सभी आरोपियों को दोष मुक्त करने का निर्णय कितने वर्ष बाद आया है?

(उत्तर इसी अंक में हैं)

कोरोना पीड़ितों को बनाना है आत्मनिर्भर – निम्बाराम

राष्ट्रीय स्वंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम ने कहा है कि कोरोना महामारी की चपेट में आए बन्धुओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उचित प्रयास करने होंगे। श्री निम्बाराम उदयपुर के सेवा भारती चिकित्सालय में गत 21 नवम्बर 2020 को आयोजित दीपावली स्नेह मिलन तथा चिकित्सक सेवा सम्मान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सेवा साधना के मंगल मार्ग से पीड़ितों से संपर्क एवं आत्मीय संबंध बने। कार्यक्रम में श्री निम्बाराम ने 24 चिकित्सकों का सेवा सम्मान किया। सर्व श्री शब्बीर मुस्तफा, नानालाल, पारस सिंघवी, पुष्कर दास जी महाराज व इन्द्रदेव दास जी महाराज का भी अभिनन्दन किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने सेवा भारती चिकित्सालय उदयपुर द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'कुशल संगठक : बाला साहब देवरस' तथा पाथेय कण पाक्षिक के 'सेवा विशेषांक' का विमोचन किया।

कार्यक्रम में स्थानीय सांसद, विधायक, कई पूर्व कुलपतियों सहित अनेक गणमान्य महानुभाव कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए उपस्थित थे।

'अ सूटेबल बॉय' में हिन्दू भावनाओं पर आघात

मीरा नायर की वेब सीरिज 'अ सूटेबल बॉय' के कंटेंट को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज हो गयी है। फिल्म में रीवा के महेश्वर घाट शिव मंदिर में कई आपत्तिजनक सीन फिल्माए गये हैं। रीवा के बीजेपी युवा मोर्चा नेता ने एफआइआर दर्ज कराते हुए कहा कि इससे हिन्दुओं की भावनाएं आहत होती हैं।

यह सीरीज लेखक विक्रम सेठ की किताब पर आधारित है। एक हिन्दू महिला मुस्लिम युवक से प्रेम करती है तथा मंदिर प्रांगण में उनके तीन 'चुम्बन दृश्य' हैं। प्रश्न उठाया गया है कि जब प्रेम करने वालों में एक मुस्लिम है तो ऐसे कुछ सीन मस्जिद में भी फिल्माने की हिम्मत निर्माता–निर्देशक ने क्यों नहीं की?

आखिर हिन्दुओं की भावना पर ही आघात क्यों?

श्रद्धांजलि

विद्या भारती जोधपुर प्रांत संरक्षक सत्यपाल हर्ष नहीं रहे

विद्या भारती जोधपुर प्रांत संरक्षक एवं संघ के पूर्व जोधपुर–प्रांत कार्यवाह श्री सत्यपाल हर्ष ने 15 नवम्बर 2020 को अंतिम सांस ली। आप 83 वर्ष के थे।

जोधपुर तथा शेष प्रांत में विद्या भारती के कार्य–विस्तार में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा। आप लगातार 57 वर्षों तक संघ शिक्षा वर्गों में शिक्षक, प्रबन्धक या आधिकारी के रूप में अन–वरत उपस्थित रहे। सत्यपाल जी संघ के तीन वर्ष प्रचारक रहे, परन्तु उसके पश्चात् भी लगभग 33 वर्षों तक पूर्णकालिक के रूप में कार्य करते रहे।

विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर तथा बीकानेर के रघुनाथसर कुआं स्थित भारतीय आदर्श विद्या मंदिर में श्रद्धांजलि सभाएं हुई।

जोधपुर की श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री शिव प्रसाद ने कहा कि सत्यपाल जी ने योजनाबद्ध एवं सतत प्रवास से विद्यालयों का विस्तार, कार्यकर्ताओं की संभाल तथा आचार्यों का विकास किया।

बीकानेर में विद्या भारती जोधपुर प्रांत के संरक्षक डॉ. नन्द किशोर सोनी ने कहा कि सत्यपाल जी हर्ष ने विद्या भारती के विस्तार, विकास एव उत्थान में अपना सम्पूर्ण जीवन लगा दिया था।

पाथेय कण परिवार की ओर से आपको श्रद्धांजलि।

सेवा विशेषांक का विभिन्न स्थानों पर विमोचन

पाथेय कण के सेवा विशेषांक का विमोचन राजस्थान के विभिन्न स्थानों पर किये जाने के समाचार प्राप्त हो रहे हैं।

जालोर (19-11-2020)

आ.वि.मंदिर प्रागण में क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम, वरिष्ठ प्रचारक श्री नन्दलाल जोशी, श्री श्रीवर्धन, जोधपुर प्रांत प्रचारक श्री योगेन्द्र, विभाग कुटुंब प्रबोधन संयोजक श्री अशोक चतुर्वेदी द्वारा

उदयपुर (21-11-2020)

सेवा भारती चिकित्सालय में क्षेत्र प्रचारक श्री निम्बाराम एवं उपस्थित प्रमुख अतिथियों द्वारा

चित्तौड़गढ़ (22-11-2020)

विद्या निकेतन में संघ के क्षेत्रीय सेवा प्रमुख श्री शिवलहरी, चित्तौड़ प्रांत प्रचारक श्री विजयानंद, कार्यवाह श्री शंकर लाल माली द्वारा।

बारां (22-11-2020)

विद्या भारती विद्यालय में संघ के प्रचार विभाग द्वारा

सांगानेर (23-11-2020)

आदर्श विद्या मंदिर में संघ के जयपुर प्रांत कार्यवाह श्री गेंदालाल, विभाग संघचालक श्री देवी नारायण पारीक तथा भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय महामंत्री श्री बद्री नारायण द्वारा

अभी भी जारी है सेवा भारती का अभियान

सेवा भारती ने न केवल लॉकडाउन की अवधि में सेवा कार्य एवं जागरूकता अभियान किया, वरन् उसका कोरोना जागरूकता अभियान अभी भी जारी है।

सेवा भारती की उदयपुर इकाई द्वारा पिछले दिनों स्थानीय सेक्टर-4 के चौराहे पर एक हजार लोगों को काढ़ा पिलाया गया एवं मास्क वितरित किये गये। इससे पूर्व स्थानीय घंटाघर चौराहे पर संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता स्व. पुष्कर सोनी की स्मृति में 900 लोगों को, हाथीपोल चौराहे पर एक हजार, हिरण मगरी, सैक्टर 3 पर 800 लोगों को आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया। इसके साथ ही उन्हें मास्क लगाने, साबुन से हाथ धोने, सामाजिक दूरी बनाये रखने के लिये भी जागरूक किया गया।

सेवा भारती द्वारा प्रताप नगर के मंशापूर्ण बालाजी मंदिर में तथा महिला मण्डल द्वारा चार भुजा मंदिर, भूपाल बाड़ी में लोक कल्याण एवं कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु यज्ञ-हवन का आयोजन किया गया।

आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाते हुए

आगामी पक्ष के विशेष अवसर

16-31 दिसम्बर 2020
(मार्गशीर्ष शुक्ल 2 से पौष कृष्ण 9 तक)

महत्वपूर्ण घटनायें/अवसर

16 दिसम्बर (1671) – विजय दिवस
17 दिसम्बर (1628) – क्रांतिकारियों ने लाला लाजपत राय पर लाठी बरसाने वाले साण्डर्स को मृत्युदण्ड दिया
19 दिस. (1961) – भारतीय सेना ने गोआ को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराया
23 दिस. (1912) – वायसराय लार्ड हार्डिंग्ज का दिल्ली में बम के धमाके से स्वागत
30 दिसम्बर (1862) – मेघालय के क्रांतिकारी उक्यांग की शहादत

जन्म दिवस

मार्गशीर्ष कृ. शु. 5 (इस बार 19 दिस.) – श्री राम विवाहोत्सव पंचमी
मार्गशीर्ष कृ. शु. 7 (इस बार 21 दिस.) – नरसी मेहता जयन्ती (संवत् 1470)
22 दिस. (1887)– महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन् का जन्म दिवस
25 दिसम्बर (1861) – महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती
25 दिसम्बर (1824) – अटल बिहारी वाजपेयी जयन्ती
मार्गशीर्ष कृ. शु. 11 (इस बार 25 दिस.) – गीता जयन्ती, श्री मल्लिनाथ जयन्ती
26 दिसम्बर (1913) – बाला साहब देशपाण्डे का जन्म दिवस
मार्गशीर्ष कृ. शु. 13 (इस बार 27 दिस.) – गुरु ग्रंथ साहब प्रकाशोत्सव
मार्गशीर्ष कृ. शु. 14 (इस बार 28 दिस.) – श्री अरहनाथ जयन्ती (18 वें)
मार्गशीर्ष पूर्णिमा (इस बार 29 दिस.) – दत्तात्रेय जयन्ती
29 दिसम्बर (1900) – क्रांतिकारी शचीन्द्र नाथ बक्शी का जन्म दिवस
30 दिस.(1880) – सम्पादकाचार्य पं. अंबिका प्रसाद वाजपेयी का जन्म
पौष कृ. 1 (इस बार 31 दिस.) – महर्षि रमण जयन्ती
31 दिस. (1826) – श्रमिक हित को समर्पित रमणभाई शाह का जन्म दिवस

बलिदान दिवस/पुण्यतिथि

17 दिस.(1927) – काकोरी के नायक राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी की शहादत
19 दिसम्बर (1927) – काकोरी मामले में पं. रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला, ठाकुर रोशन सिंह की शहादत
मार्गशीर्ष कृ. शु. 5 (इस बार 19 दिस.) – गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस (1675)
20 दिसम्बर (1956) – राष्ट्र संत गाडगे महाराज की पुण्य तिथि
23 दिसम्बर (1926) – स्वामी श्रद्धानन्द का बलिदान
25 दिसम्बर (1763) – भरतपुर के महाराजा सूरजमल की पुण्यतिथि
28 दिस. (1861) – प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में राव रामबख्श सिंह को फाँसी

पंचांग–मार्गशीर्ष (कृष्ण पक्ष)

युगाब्द - 5122, विक्रमी - 2077,
शाके - 1942 (1 से 14 दिसम्बर, 2020)

चतुर्थी व्रत– 3 दिसम्बर, वैतरणी एकादशी व्रत– (10 दिस. स्मार्त, 11 दिस., वैष्णव), **शनि प्रदोष व्रत –** 12 दिसम्बर, देवपितृ कार्य अमावस्या – 14 दिसम्बर

ग्रह स्थिति

चन्द्रमा : 1 दिसम्बर उच्च की राशि **वृष** में, 2 से 4 दिसम्बर **मिथुन** राशि में, 5-6 दिसम्बर स्व राशि **कर्क** में, 7-8 दिसम्बर **सिंह** राशि में, 9-10 दिस. **कन्या** राशि में, 11-12 दिस. तुला राशि में तथा 13 व 14 दिस. को नीच की राशि **वृश्चिक** में गोचर करेंगे।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष में **शनि** व **गुरु** यथावत मकर राशि में स्थित रहेंगे। **राहु** और **केतु** वृष व वृश्चिक राशि में स्थित रहेंगे। **सूर्य** और बुध वृश्चिक राशि में, **मंगल** मीन राशि में, तथा **शुक्र**–11 दिसम्बर को प्रातः 5:17 बजे तुला से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगे।

जमीन के मालिक

यह बड़े मजे की बात है कि हम एक जमीन का टुकड़ा खरीद कर उस जगह अपने नाम का बोर्ड लगा देते हैं कि उस जमीन के मालिक हम हैं। उस बोर्ड को देख कर वह जमीन का टुकड़ा हंसता होगा क्योंकि उसने ऐसे कई बोर्ड लगते व उतरते देखे होंगे। जब हम नहीं थे तब भी वह जमीन का टुकड़ा था, जब हम नहीं रहेंगे तब भी यह जमीन का टुकड़ा रहेगा, फिर भी हम इस गलतफहमी में रहते हैं कि हम उस जमीन के मालिक हैं।

■ साभार निरोगधाम

उत्तर : बाल प्रश्नोत्तरी - 1.(क) 2.(ख) 3.(ग) 4.(घ) 5.(क) 6.(क) 7.(ग) 8.(ग) 9.(ख) 10.(क)

उत्तर : महापुरुष पहचानो-मैथिली शरण गुप्त

राष्ट्रोन्नायक आचार्य शंकर 40

आलेख व चित्र
ब्रजराज राजावत

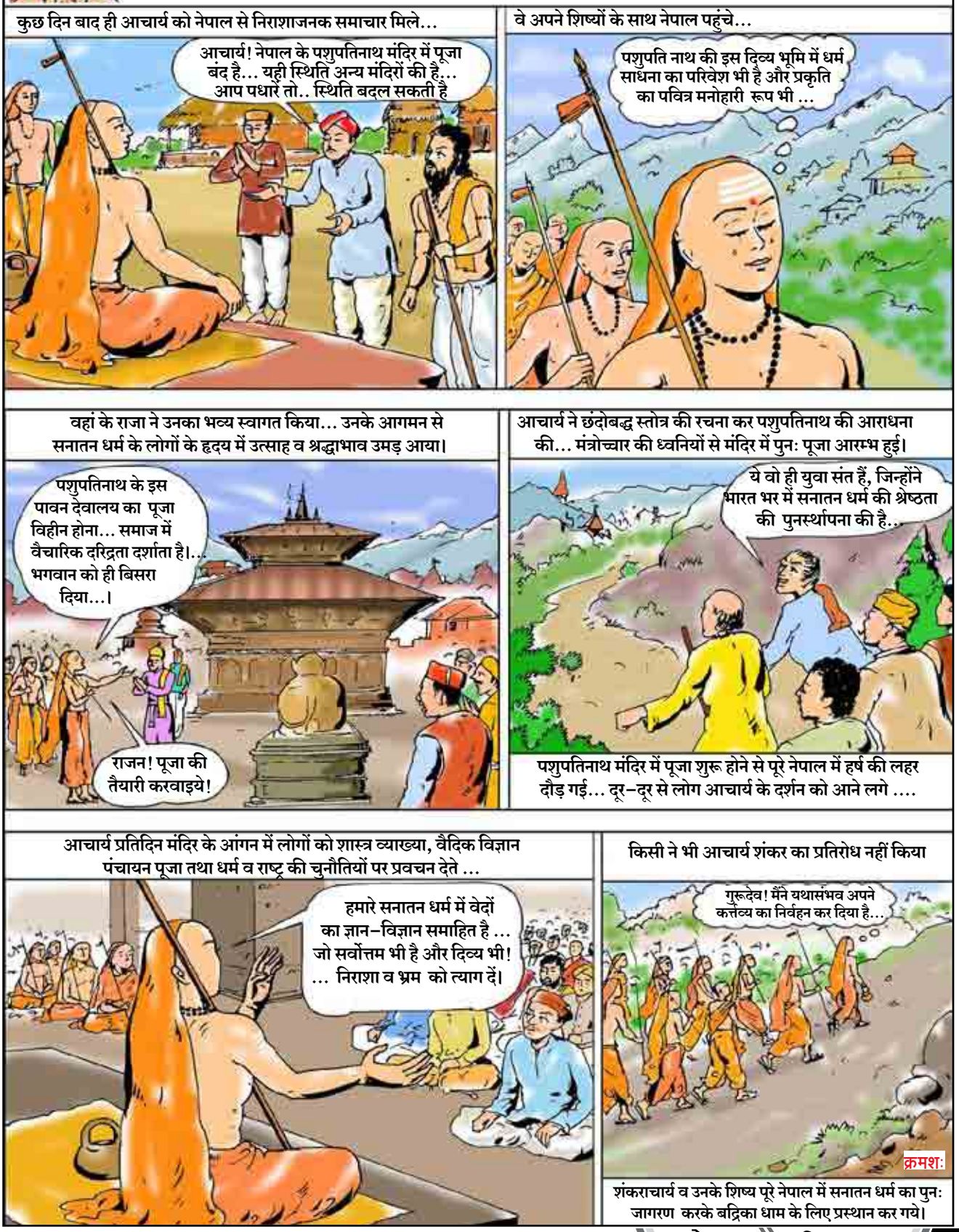

पाक्षिक
पाथेय कण
1 दिसम्बर, 2020

आर.एन.आई.पंजीयन क्र. 48760/87 अग्रिम शुल्क बिना प्रेषण की अनुमति लाइसेंस संख्या
डाक पंजीयन संख्या JAIPUR CITY /202/2018-20 JAIPUR CITY/ WPP - 01/2018-20

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

- कोरोना महामारी से बचाव के लिए मास्क व सामाजिक दूरी का पालन करें।
- गांव को स्वच्छ और सुन्दर बनाएं।
- पंचायत भूमि पर अतिक्रमण नहीं करें।
- घर-घर शिक्षा की अलख जगाएं।
- पेड़ लगाएं, गांव को हरा-भरा बनाएं।

लखमी देवी
पत्नी श्री बाबूराम जी चौधरी
सरपंच,
ग्राम पंचायत दईपुर

दो गज दूरी, मास्क है जरूरी

सवदाराम
पुत्र श्री बाबूराम जी चौधरी
7727008855,
9414565728

कार्यालय ग्राम पंचायत दईपुर, पंचायत समिति रानीवाड़ा, जिला जालोर

स्वत्वाधिकारी पाथेय कण संस्थान के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक माणक चन्द
द्वारा कुमार एण्ड कम्पनी,ए-10,22 गोदाम औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित
प्रकाशकीय कार्यालयः पाथेय भवन, 4, मालवीय संस्थानिक क्षेत्र, मालवीय नगर, जयपुर-302017
सम्पादक - रामस्वरूप अग्रवाल
प्रेषण दिनांक 1,2,3,4 व 5 दिसम्बर 2020 आर.एम.एस.(पी.एस.ओ.) जयपुर

प्रतिष्ठा में,
_____
_____
_____